शुक्रवार
22 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4
हैंगिंग चेयर बनेगी आपके घर का आकर्षण, इस तरह ले इस्तेमाल में

पृष्ठ 5
थैंक यू फॉर कमिंग फिल्म में दिखेंगी भूमि पेडनेकर

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 83
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं। जो साहस के साथ उनका सामना करते हैं, वे विजयी होते हैं।
– लोकमान्य तिलक

बिजली कटौती पर अधिकारियों को फटकार

विशेष संवाददाता

देहरादून। अनियमित बिजली कटौती की मार झेल रहे राज्य के लोगों को राहत दिलाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की बैठक बुलाकर हालात की समीक्षा की। अधिकारियों के जवाब से असंतुष्ट मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्हें स्थिति की पूरी जानकारी ही नहीं है तो समाधान क्या करेंगे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे के भीतर समस्या का समाधान पेश करें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समीक्षा बैठक में राज्य के निजी स्रोतों से उपलब्ध बिजली की मात्रा और मांग के बारे में विस्तार से जानकारी मांगी गई व पूछा गया कि कितनी बिजली खरीदी जा रही है और बिजली खरीद के लिए वित्तीय व्यवस्था की क्या स्थिति है? मुख्यमंत्री के इन सवालों का अधिकारी उन्हें ठीक से जवाब नहीं दे सके। जिस पर मुख्यमंत्री ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि आप कर क्या रहे हैं? जब आपको यही नहीं पता है कि कितनी बिजली खरीद जरूरी है जिसमें कटौती न करनी पड़े।

❑24 घंटे में समस्या का समाधान निकालें: धामी
❑4 से 6 घंटे तक हो रही कटौती से लोग परेशान

सीएम ने अधिकारियों से कहा कि अगर हम बिजली की खरीद करने के बाद भी बिजली में कटौती कर रहे हैं तो इसका मतलब क्या है?

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

बिजली कटौती सरकार की विफलताः आर्य

देहरादून। बिजली कटौती को लेकर प्रदेश भर में हाहाकार मचा हुआ है। सरकार 10 करोड़ कि हर रोज बिजली खरीद रही है फिर भी प्रदेश में 4 से 6 घंटे तक की बिजली कटौती की जा रही है। लोग परेशान हैं, उद्योग धंधे चौपट हो रहे हैं और कई उद्योग राज्य से बोरिया बिस्तर समेटने जा रहे हैं। यही नहीं सरकार ने बिजली की दरें तो बढ़ा दी फिर भी लोगों को बिजली नहीं मिल पा रही है। बिजली दरों का प्रभाव आम आदमी की जेब पर पड़ा है यह कैसा ऊर्जा प्रदेश है? यह बात आज नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने बिजली कटौती पर सरकार की घेराबंदी करते हुए कही उन्होंने कहा कि यह सरकार का फेलियोर है।

3 किलो पेंगोलिन शल्क सहित दो वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। वन्यजीव तस्करों के खिलाफ लगातार कार्यवाही करते हुए एसटीएफ द्वारा दो वन्यजीव तस्करों को 3 किलो 100 ग्राम पेंगोलिन शल्क सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि एसटीएफ द्वारा बीते बुधवार को भी एक वन्यजीव तस्कर को गुलदार की खाल सहित उधमसिंहनगर से गिरफ्तार किया गया था।

राज्य में बढ़ते वन्य जीव जन्तुओं की तस्करी की रोकथाम हेतु एसटीएफ द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में बीते बुधवार को एसटीएफ द्वारा गुलदार की खाल सहित एक वन्य जीव तस्कर को गिरफ्तार किया गया था वही बीते कल यानि वीरवार को एक बार फिर एसटीएफ द्वारा दो वन्यजीव तस्करों को भारी मात्रा में पेंगोलिन शल्क सहित गिरफ्तार किया गया है।

बीते रोज एसटीएफ कुमाऊ यूनिट को सूचना मिली कि खटीमा क्षेत्र में कुछ वन्यजीव तस्कर पेंगोलिन के शल्क सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसटीएफ द्वारा वन विभाग

खटीमा के साथ मिलकर संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया।

इस दौरान कुमराह मार्ग खटीमा क्षेत्र में बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। टीम द्वारा जब उनको रोक कर तलाशी ली गयी तो उनके पास से 3 किलो 100 ग्राम पेंगोलिन शल्क बरामद हुए। पूछताछ में उन्होने अपना नाम तोले सिंह पुत्र सुखदेव सिंह, निवासी ग्राम घुसरी नानकमत्ता व अरून कुमार पुत्र दीवान सिंह, निवासी ग्राम मटीहा नानकमत्ता बताया। पूछताछ में यह बात भी सामने आई कि

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

सीआईएसएफ की बस पर आतंकी हमले में एक जवान शहीद, 2 दहशतगर्द ढेर

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में सुंजवां इलाके में शुक्रवार तड़के सेना के शिविर के समीप एक इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई जिसमे दो दहशगर्द ढेर कर दिए गए तथा एक जवान शहीद हुए और दस अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सुंजवां में मुठभेड़ ऐसे वक्त में हुई है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांबा जिले में प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर दो दिन पहले से जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है। जम्मू के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने बताया कि, मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकियों ने सीआईएसएफ की बस पर ग्रेनेड फेंका, इसके बाद जवानों ने मोर्चा संभाला और आतंकियों को मुहतोड़ जवाब दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुंजवां सैन्य अड्डे से सटे एक इलाके में कम से कम दो सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद तलाश अभियान चलाया गया। ये आतंकवादी पाकिस्तान स्थित जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) संगठन से जुड़े बताए जाते हैं और इनकी शहर में एक बड़ा हमला करने की योजना थी। उन्होंने बताया कि, आतंकवादियों ने एक ग्रेनेड फेंका और तलाशी दल पर गोलियां चलायी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी। गौरतलब है कि, २४ अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर प्रधानमंत्री का यहां से १७ किलोमीटर दूर पाली गांव में एक जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है।

देश में एक दिन में ढाई हज़ार के करीब नए कोरोना केस, एक्टिव केस में बढ़ोतरी

नई दिल्ली । भारत में एक बार फिर कोरोना संक्रमण का प्रकोप बढ़ने लगा है। देश में पिछले २४ घंटे में कोरोना के ढाई हज़ार के करीब नए मामले दर्ज हुए है। महामारी के बढ़ते मामलों ने एक बार स्वास्थ्य विभाग की चिंता को बढ़ा दिया है।

वहीं दिल्ली में कोरोना वायरस के नए मामलों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखी जा रही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले २४ घंटे में देश में कोरोना संक्रमण के २,४५१ नए केस दर्ज होने के बाद संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर ४३,०५२,३८६ हो गया है। वहीं इस दौरान हुई ५४ नए मरीजों की मौत के

बाद मृतकों का आंकड़ा भी बढ़कर ५,२२,११६ हो गया है।

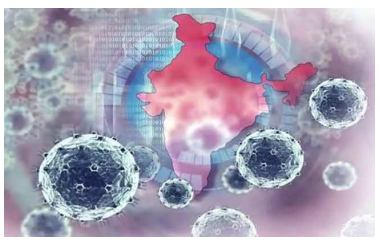

देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते एक्टिव केस की संख्या में मामूली बढ़ोतरी दर्ज हुई है। मौजूदा समय में कोरोना के एक्टिव केस १४,२४१ है। जो कुल मामलों का ०.०३ प्रतिशत है। वहीं बीते एक दिन में १,५८९ मरीजों के ठीक होने के बाद अब तक ४२,५१६,०६८ मरीज रिकवर कर चुके हैं।

दिल्ली–एनसीआर की बात करें तो यहां कोरोना के मामले बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं। दिल्ली में गुरुवार रात को कोरोना के ९६५ मामले सामने आए थे। दिल्ली में फिलहाल कोविड के २,९७० एक्टिव केस हैं। वहीं कुल पॉजिटिविटी दर ४.७१त्न हो गई है। वहीं कर्नाटक की बात करें पिछले २४ घंटे में वहां कोविड के १०० नए मामले सामने आए।

विश्व में कोविड के मामले बढ़कर ५०.७८ करोड़ हो गए हैं। वहीं मृतकों की संख्या करीब ६२.१ करोड़ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि वैक्सीन की ११.२ अरब से ज्यादा डोज दी जा चुकी है। ये जानकारी जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने साझा की है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बुलडोजर वाली राजनीति

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा 2017 में जब सत्ता संभाली गई थी तब शायद किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि योगी 5 साल बाद बुलडोजर बाबा के नाम से विख्यात हो जाएंगे और उनकी बुलडोजर वाली राजनीति इतनी तेजी से देश के अन्य तमाम राज्यों तक पहुंच बना लेगी। बीते कल सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उनकी इस बुलडोजर वाली राजनीति पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि अब भाजपा को अपना चुनाव चिन्ह (पार्टी सिंबल) बुलडोजर कर लेना चाहिए। दिल्ली के जहांगीरपुरी में शोभायात्रा के दौरान हुए बवाल के बाद वहां प्रशासन का जो बुलडोजर चला उसकी गूंज देश के सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गई। सुप्रीम कोर्ट ने वहां फिलहाल बुलडोजर पर ब्रेक लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक इस कार्रवाई पर रोक लगा दी है साथ ही पीड़ित दुकानदार मुआवजे की मांग को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उत्तराखंड में भी धामी सरकार ने दोबारा से सत्ता में आते ही अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर बुलडोजर चलवाना शुरू कर दिया है। सीएम धामी ने साफ कह दिया है कि अवैध निर्माणों के खिलाफ यह कार्रवाई जारी रहेगी। रामनगर, उधम सिंह नगर, हल्द्वानी तथा हरिद्वार में भी की गई बुलडोजर कार्रवाईयों का जगह-जगह विरोध हो रहा है तथा इसे सरकार की बदले की भावना से की जाने वाली कार्यवाही बताया जा रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड हाई कोर्ट द्वारा बीते सालों में राजधानी दून से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए गए थे। राजधानी दून में बड़ी संख्या में अवैध बस्तियां बसी हुई है। जिन पर बीते समय में बुलडोजर चलने की नौबत आ गई थी। लेकिन भवनों पर लाल निशान लगाने के बाद भी इन पर बुलडोजर नहीं चलाया जा सका। तब सरकार को इन कालोनियों को बचाने के लिए अध्यादेश का सहारा लेना पड़ा था। सवाल यह है कि दून के अंदर से गुजरने वाली रिस्पना और बिंदाल नदी सहित अन्य तमाम नदी नाले और खालो पर इतना अतिक्रमण हो चुका है कि अगर इस अतिक्रमण को हटाया जाए तो दून के एक चौथाई भवन और आबादी इसकी जद में आ जाएंगी। सवाल यह है कि क्या धामी सरकार इन अवैध कॉलोनियों को जिन्हें नेताओं की भाषा में मलिन बस्तियां कहा जाता है, पर बुलडोजर चलवाने की हिम्मत दिखाई जा सकती है? अगर नहीं तो फिर जहां सरकार का बुलडोजर गरज रहा है वह क्या है? ऐसा नहीं है कि सड़कों और बाजारों में पहले अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर नहीं चलता था लेकिन तब और अब चलने वाले बुलडोजर में फर्क यह है कि तब इसका सदुपयोग अतिक्रमण के खिलाफ होता था और अब इसका प्रयोग राजनीति के बुलडोजर के तौर पर किया जा रहा है। यूपी में इसकी शुरुआत माफिया और अपराधियों के अवैध संपत्तियों पर इस्तेमाल के रूप में हुआ था और अब आम आदमी की संपत्तियों पर सत्ता का यह बुलडोजर गरज रहा है। जिसे सत्ता की हनक ही कहा जा सकता है।

कृषकों तक सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचेगी कृषि एवं बागवानी की जानकारियां:जोशी

संवाददाता

देहरादून। आईसीएआर क्षेत्रीय समिति की 72वीं बैठक में प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि कृषकों तक सोशल मीडिया के माध्यम से कृषि व बागवानी की जानकारियां पहुंचायी जायेगी। आज यहां उत्तराखण्ड के आईसीएआर क्षेत्रीय समिति की 27 वीं बैठक में कृषि एवं बागवानी विभाग उत्तराखण्ड से सम्बन्धित सुझावों एवं समस्याओं पर कृषि मंत्री ने बैठक में अपना पक्ष रखा। यह बैठक वर्चुअल रुप से आयोजित हुई और मंत्री गणेश जोशी सहित हिमाचल, जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख के कृषि मंत्री एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता केन्द्रीय पशुपालन, मत्य एवं डेयरी मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला ने की। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में उगाई जाने वाली स्थानीय फसलों का विशेष महत्व हैं, तथा क्षेत्र विशेष के अनुरूप इन फसलों में विशिष्ट लक्षण ही पाये जाते है। कृषि विभाग द्वारा स्थानीय फसलों के बीजों को बीज श्रृंखला में सम्मिलित करने हेतु जीआई टैग (भौगोलिक पहचान) प्रदान कराये जाने का प्रयास किया जा रहा है,जिसके क्रम में मुनस्यारी राजमा को जीआई टैग भारत सरकार द्वारा प्रदान किया जा चुका है, तथा अन्य 11 फसलों तथा लाल ध ान, बेरीनाग चाय, गहत, मडुआ, झंगोरा, काला भट्ट, बुरास, शरबत, चौलाई/रामदाना, अल्मोडा लखोडी मिर्च, पहाडी तोर दाल और माल्टा फ्रूट में जीआई टैग प्रदान किये जाने हेतु कार्यवाही गतिमान है। उन्होनें जैविक खाद, प्रभारी जैविक कीटनाशक, जंगली जानवरों की समस्या को भी बैठक में रखा। उन्होंने आईसीएआर द्वारा किये गये शोध पर कहा कि उत्तराखण्ड जैविक प्रदेश की तरफ अग्रसर है और प्रदेश के 10 विकासखण्डों को जैविक ब्लाक बनाया गया है। उन्होंने सर्वे से ज्ञात हुआ है कि उत्तराखण्ड में चावल और मक्का उत्पादन में कमी है, इसके लिए मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को कार्ययोजना बनाये जाने के निर्देश दिये। केन्द्रीय पशुपालन मंत्री द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों में पशुपालन मोबाईल टीम लगाये जाने पर मंत्री ने कहा कि यह अत्यधिक लाभकारी निर्णय साबित होगा। बैठक में उत्तराखण्ड की ओर से कृषि मंत्री के साथ कृषि निदेशक गौरीशंकर ने भी प्रतिभाग किया।

श्रीलंका में त्राहि-त्राहि

डॉ. सुधीर सक्सेना

''वित्तिय प्रबंधन में विफलता के चलते श्रीलंका में स्थितियां सम से विषम हो गयी हैं। भयावह मुद्रास्फीति और अंधाधुंध कर्ज ने चौतरफा संकट खड़ा कर दिया है, फलत: श्रीलंका इन दिनों अंधे बोगदे में नज़र आ रहा है...''

- शरत कोनगहगे

शरत कोनगहगे श्रीलंका की जानी-मानी शख्सियत हैं, राजनीतिज्ञ, वकील, राजनयिक, मीडियाकर्मी और ख्यातिलब्ध सलाहकार। वे राष्ट्रपति और मंत्रालयों के सलाहकार रहे, सांसद रहे, 'रूपवाहिनी' के चेयरमैन रहे, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में राजदूत और दक्षिण अफ्रीका में उच्चायुक्त रहे। संप्रति वे दु:खी हैं। रूपये के अबाध अवमूल्यन और फोरेक्स-भंडार में अभूतपूर्व कमी ने जरूरी चीजों के अभाव की स्थिति उत्पन्न कर दी है। सड़कों पर बसों और गाड़ियों के चक्के थम गये हैं। जिसों की कीमतें आसमान छू रही है। रुपये के पार। आलू 200 रुपये किलो है। करीब एक हजार बेकरियां बंद हो गई हैं। आप श्रीलंका में हैं तो यकीनन खुशकिस्मत कहे जायेंगे यदि आपको सौ रुपया खर्च कर एक प्याली चाय मिल जाये।

अजित निशांत वरिष्ठ पत्रकार हैं। कोलंबो और दिल्ली में उनसे मुलाकातें हुईं। अब फोन पर बात हुई तो उन्होंने हादसे की पूर्वपीठिका समझाने की कोशिश की। यह स्थिति रातोंरात उत्पन्न नहीं हुई है। राजपक्षे सरकार ने स्थितियों से निपटने में

श्रीलंका का यह संकट अभूतपूर्व और भयावह है। इस विषम वेला में श्रीलंका को सबसे बड़ा आसरा भारत का है। और भारत ने भी हालात की नाजुकी और अपने ऐतिहासिक दायित्व को समझा है। भारत के विदेशमंत्री एस. जयशंकर की ताजा कोलंबो यात्रा इसी की परिचायक है। भारत के लिए 'नेबरहुड फर्स्ट' की नीति मायने रखती है। वक्त के तकाजे को बूझ भारत ने 1.5 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता दी है, जबकि श्रीलंका ने एक अरब डॉलर और मांगे हैं। जहांतक इस सर्वग्रासी संकट से मुक्ति की बात है, इससे मुक्ति का कोई 'शॉर्ट कट' नहीं है। शरत कोनगहगे के ही शब्दों में समापन करें तो हर बोगदे की तरह इसका भी सिरा है और उस तक पहुंचने में समय लगेगा।

पसंद नहीं करती थी। इसी भावनात्मक ज्वार ने सत्ताच्युत राजपक्षे परिवार की एक बार फिर लॉटरी खोल दी। सन् 2019 में कोलंबो के सीरियल ब्लास्ट ने उनके समर्थन का ईंधन जुटाया। बहरहाल, श्रीलंका का रूपया आज अपने न्यूनतम स्तर पर है। आज एक डॉलर के लिए आपको वहां 318 रुपये चुकाने होंगे। भारत में यही विनिमय दर 76, पाकिस्तान में 182, मारीशस में 45 तथा नेपाल में 121 है। श्रीलंका गत अप्रैल तक 32 अरब डॉलर का विदेशी ऋण ले चुका था। टेंट में रकम नहीं है, जबकि उसे जुलाई तक एक अरब और आगामी कुछ माह में 7 अरब डॉलर से अधिक की रकम चुकानी है। उसे 10 अरब डॉलर का सालाना व्यापारिक घाटा होने का अनुमान है। चीन से कर्ज की शर्तों और हंबनटोटा बंदरगाह के भविष्य को लेकर भी आशंकाओं का बाजार गर्म है।

यह इन्हीं विषम परिस्थितियों का दुष्परिणाम है कि गुरूवार 31 मार्च की रात्रि को सैकड़ों लोगों की क्षुब्ध भीड़ ने मिरिहान की ओर रुख किया और राष्ट्रपति के निजी निवास को घेर लिया। बेकाबू महंगाई और किल्लत से त्रस्त लोग राष्ट्रपति गोतेबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। आंसू गैस और पानी की बौछारों के बाद पुलिस ने गोलियां दागीं और रात का कर्फ्यू लगा दिया। गोलीबारी में दस लोग आहत हुए। अजित निशांत के अनुसार प्रदर्शनों का यह सिलसिला अभी और गति पकड़ेगा। श्रीलंका का यह संकट अभूतपूर्व और भयावह है। इस विषम वेला में श्रीलंका को सबसे बड़ा आसरा भारत का है। और भारत ने भी हालात की नाजुकी और अपने ऐतिहासिक दायित्व को समझा है। भारत के विदेशमंत्री एस. जयशंकर की ताजा कोलंबो यात्रा इसी की परिचायक है। भारत के लिए 'नेबरहुड फर्स्ट' की नीति मायने रखती है। वक्त के तकाजे को बूझ भारत ने 1.5 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता दी है, जबकि श्रीलंका ने एक अरब डॉलर और मांगे हैं। जहांतक इस सर्वग्रासी संकट से मुक्ति की बात है, इससे मुक्ति का कोई 'शॉर्ट कट' नहीं है। शरत कोनगहगे के ही शब्दों में समापन करें तो हर बोगदे की तरह इसका भी सिरा है और उस तक पहुंचने में समय लगेगा। प्रबंधन और नियोजन में सूझबूझ और धैर्य के बल पर श्रीलंका आहिस्ता-आहिस्ता इससे पार पा सकता है। हां, इस बीच उथलपुथल के दौरों से इंकार नहीं किया जा सकता।

सुभाषिणी रत्नायका विश्वविद्यालय में शिक्षिका हैं। वे बताती हैं कि हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं और जीवन कठिन से कठिनतर। राजधानी कोलंबो में स्थिति विकराल होते देख वे कोलंबो से सुदूर कैंडी चली गई हैं, जहां उनके पति का घर और खेती-बाड़ी है। बताती हैं कि हालात सर्वत्र चिंताजनक हैं। शहरों में 12 से 15 घंटे बिजली कटौती हो रही है। स्ट्रीट लाइटें गुल हैं। न तो सरकारी बिजली संस्थानों के पास ईंधन है और न ही निजी परिवहन कंपनियों के पास। कीमतों में आग लगी हुई है। श्रीलंका अपने इतिहास के भयावहतम पॉवरकट से गुजर रहा है। सभी 20 विद्युतजोनों में बिजली कटौती का ऐलान किया गया है। दुकानों में दवाओं का अभाव है। हालात का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि अस्पतालों में भर्ती और ऑपरेशन प्रभावित हुए हैं। जीना इस कदर मुहाल है कि पूछिये मत। एक लिटर पेट्रोल की कीमत 254 रुपये है, जबकि एक लिटर दूध 263 रुपये में बिक रहा है। डबलरोटी के लिए डेढ़ सौ रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। चीनी की कीमत 300 रुपये प्रति किलो तक पहुंच रही है। चावल 500 रुपये प्रति किलो है तो मिर्च 700 कोताही बरती। हंबनटोटा का जिक्र न भी हो तो भी चीन व अन्य देशों से भारी ऋण लिया गया। परिणामत: फोरेक्स भंडार में 70 फीसद से अधिक गिरावट आई। अब श्रीलंका के पास मात्र 2.36 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा बची है, जबकि करीब तीन साल पहले विदेशी मुद्रा भंडार 7.5 बिलियन डॉलर था। अब उसके पास ब्याज और कर्ज को चुकाने के लिए पैसा नहीं है। जरूरी चीजों का आयात करें तो कैसे करें?

श्रीलंका सुंदर और सुरम्य द्वीप है, भारत का सदाशयी पड़ोसी। निर्गुट आंदोलन में भारत का साथी। इतना साफ-सुथरा कि आप विस्मय-विमुग्ध हो उठें। पुलिन (समुद्र तट) लुभाते हैं। रंग और स्वाद की उम्दा चाय के बागान और गरम मसालों की मह-मह खेती श्रीलंका का वैशिष्ट्य हैं। अपने प्रतापी राजवंशों, राजधर्म और संस्कृति के लिए श्रीलंका भारत का ऋणी है। दोनों देशों को समुद्र जोड़ता है। ऐसे श्रीलंका को लगता है कि किसी की नजर लग गयी है। अजित निशांत कहते हैं- ''परिस्थितियों के बिगड़ने में कोविड महामारी का भी बड़ा हाथ है। इसने खेती-बाड़ी और कारोबार तो प्रभावित किया ही, पर्यटन का भी सत्यानाश कर दिया। पर्यटन श्रीलंका में विदेशी मुद्रा की कमाई का बड़ा स्रोत था। इससे करीब 20 लाख लोग जुड़े थे और सालाना करीब 5 अरब डॉलर की आय होती थी। चिंतनीय स्थितियों का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि एजुकेशनल बोर्ड के पास कागज-स्याही नहीं है, लिहाजा उसने परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। अखबारों की छपाई भी बंद है।''

श्रीलंका की आबादी दो करोड़ 20 लाख के आसपास है। लंबे समय तक वह अशांत और गृहयुद्ध से ग्रस्त रहा है। इसमें शक नहीं कि गोतबाया राजपक्षे के सत्ता में आने के बाद अर्थव्यवस्था पटरी से उतरी है। यह भी निर्विवाद है कि यह राजपक्षे-परिवार के वर्चस्व का दौर है। राजनीति और व्यापार-वाणिज्य में परिवार की तूती बोलती है। भाई महिंदा प्रधानमंत्री हैं। एक अन्य भाई बासिल वित्तमंत्री और एक अन्य विपुल खेलमंत्री। इस राजवंश का प्रादुर्भाव और प्रभुत्व अलग कथा का विषय है, किन्तु दो-मत नहीं कि राजपक्षे परिवार सिंहली राष्ट्रवाद और राजपक्षे-परिवार की लौह-छवि तथा देश की समृद्धि के सब्जबाग के बूते सत्ता में आया है। श्रीलंका में बरसों रहे एक राजनयिक ने बताया कि विक्रमसिंघे की तमिलों के प्रति नरम-नीति को बहुसंख्यक सिंहली जनता

आपप्रुषी पार्थिवान्युरु रजो अन्तरिक्षम्।
'सरस्वती निदस्पातु।।

(ऋग्वेद ६-६१-११)

दिव्य वाणी जो पृथ्वी और आकाश में व्याप्त है। वह हमारी उन मनुष्यों से रक्षा करें जो हमारे प्रति द्वेष और घृणा रखते हैं।

The enlightened Vani that pervades the earth and the sky. May the Vani protect us from men who have envy and hatred for us.

(Rig Veda 6-61-11)

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली टेनिस खिलाड़ी नियति कुकरेती को सम्मानित करती खेल मंत्री रेखा आर्य।

संत निरंकारी मिशन 24 अप्रैल को लगायेगा रक्तदान शिविर

विशेष संवाददाता

देहरादून। संत निरंकारी मिशन द्वारा प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी मानव एकता दिवस के अवसर पर 24 अप्रैल 2022 को सम्पूर्ण विश्व में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सम्पूर्ण भारत में 265 स्थानों पर कैंप लगाये जायेंगे। जिनसे 40 हजार से 50 हजार यूनिट रक्त संकलित किये जाने की संभावना है।

इस बात की जानकारी देते हुए निरंकारी मंडल के सचिव जोगेंद्र सुखीजा द्वारा बताया गया कि प्रशासन द्वारा कोविड गाइडलाइन के दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए ही इन सभी रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जायेगा। बताया कि इस श्रंखला में जोन मसूरी ब्रांच देहरादून द्वारा 24 अप्रैल 2022 को विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन संत निरंकारी सत्संग भवन बाईपास हरिद्वार रोड पर सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। इसके अतिरिक्त मसूरी जोन में अन्य रक्तदान शिविर टिहरी, उत्तरकाशी, पौड़ी व ज्वालापुर में लगाये जायेगें। उन्होने बताया कि रक्तदान शिविर में दून मैडिकल कालेज व मंहत इंद्रेश हास्पिटल से डाक्टरों की एक टीम भी मौके पर उपस्थित रहेगी।

लोडर चोरी में चालक के खिलापफमुकदमा

संवाददाता

देहरादून। लोडर चोरी होने पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुभाष नगर निवासी दीपक शर्मा ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका लोडिंग वाहन बद्रीपुर में खडा था। जब आज वह वहां गया तो उसका वाहन अपनी जगह पर नहीं था। लोडिंग चालक अनीष भी वहां पर मौजूद नहीं था। उसने दोनों को तलाश किया लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

108 पेटी अंग्रेजी शराब सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

चंपावत। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर शाम 108 पेटी अंग्रेजी शराब व तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना बनबसा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक शराब तस्कर भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को चौराहा बनबसा के समीप एक संदिग्ध पिकप वाहन आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोककर तलाशी ली तो उसमें रखी 108 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में चालक ने अपना नाम विनोद कुमार पुत्र स्व. खुशाल सिंह निवासी श्रीपुर बीछवा खटीमा, जनपद उधम सिंह नगर बताया। पुलिस ने उसे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। बरामद शराब की कीमत दस लाख रूपये आंकी गयी है।

जंगलों में लगी आग ने पहाड़ों व कन्दराओं में धारण किये इंसानी चेहरे!

लोकेन्द्र सिंह बिष्ट

उत्तराखंड के जंगलों में लगी भीषण आग ने जलते हुए पहाडों व कन्दराओं में धारण किये इन्सानी चेहरे। कैनवास पर उतारी गई ये ना तो किसी मशहूर चित्रकार की पेंटिंग्स है न ही कोई चित्रकारी। इन रेखायें ने जिन्होंने मानो किसी बुजुर्ग महिला व किसी बुजुर्ग पुरुष का रूप धारण कर लिया हो और आपस मे सायद यही वार्तालाप कर रहे होंगे कि आखिर जंगल मे आग लगाता कौन है?

उनके जमाने मे तो जंगल मे आग लगते ही ग्रामीण ही सबसे पहले आग बुझाने आते थे, क्योंकि उस जमाने गांव की समूची आर्थिकी जंगलों पर ही निर्भर थी। जंगलों से घास, लकड़ी, जलाऊ , इमारती, खेती बाड़ी, खेत खलियान, हवा , पानी, सिंचाई के लिए, पीने के लिए, पशुओं के लिये,,चारा पत्तियों से लेकर कृषि से संबंधित हल तागड, टोकरी से लेकर बोझ उठाने के लिए रिंगाल, मकान के लिए पत्थर गारे, मिट्टी, मकान की छत के लिए पटाल से लेकर कड़ी तख्ते, लेपने पोतने के लिए मिट्टी से लेकर लाल मिट्टी, कमेडू, खाने के लिए जँगली फल फूल सभी कुछ तो जंगलों से ही मिलता था, ...वो भी निशुल्क!

शायद इसी के चलते ग्रामीण ही सबसे पहले जंगल की आग बुझाने आते थे। दूसरा एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि जंगलो की भीषण आग में प्रतिवर्ष करोड़ों की वन संपदा तो खाक होती ही है, लेकिन अमूल्य दिव्य दुर्लभ देव जड़ी बूटियां, हरियाली, बेजुबान वन्य जीव, पशु पक्षी इस आग की भेंट चढ जाते हैं। जिस हानि की न तो सरकारी व न गैर सरकारी स्तर पर समीक्षा की जाती है।

खैर! अब तो जंगलों पर जंगलात वालों के अधिकार हैं। उनकी मर्जी से आप एक रिंगाल भी जंगल से काट कर नहीं ला सकते 'कलम' बनाने के लिए। लेकिन जंगलों पर अगर आज कोई भारी है तो खनन माफिया, लक्कड़ माफिया, जड़ी बूटी माफिया, वन्य जीव तस्कर और भू माफिया। इनके लिए सब माफ है। जंगलों को आग से बचाना है तो जनता यानी ग्रामीणों व जंगलों के बीच आज से ५० वर्ष पुराने रिश्तों को फिर से जिंदा करने की आवश्यकता है। जब ग्रामीण जंगलों को जंगलात का नहीं खुद का समझने लगेंगे तो उस समय समझो कि जंगलों की आग को नियंत्रित किया जा सकता है।

दूर से इन दोनों बुजुर्गों की बातचीत भी कोई सुन रहा था इसका आभास होते ही इन रेखाओं से बने बुजुर्गों ने अपनी बातचीत को बीच मे ही खत्म करना अपनी भलाई समझी और इन्होंने तत्काल अपना रूप भी बदल दिया ताकि उन्हें लोग दूर से एक जंगल की भीषण आग की तरह से ही देखें। नहीं तो सरकार और लोग जंगलों की भीषण आग में भी भावनाएं तलाशने लगेंगे।

दो मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने दो स्थानों से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाल्मीकि बस्ती सेलाकुई निवासी शिवकुमार ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से पंचायत भवन गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल टीन शेड के नीचे खडी कर दी थी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं आजाद नगर कालोनी निवासी सलमान ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

स्मैक के साथ चार गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने लालतप्पड के पास चैकिंग के दौरान एक स्कूटी सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह भाग खडे हुए।

पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने दोनों के कब्जे से 12 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अंकित पुत्र प्रहलाद सिंह निवासी केशवपुरी बस्ती व अतुल पुत्र बसंत पाल निवासी केशवपुरी बस्ती डोईवाला बताया।

वहीं सहसपुर थाना पुलिस ने लांगा रोड से एक युवक को 10 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम शादाब पुत्र इरशाद निवासी ताजपुरा थाना बेहट सहारनपुर बताया। इसके साथ ही पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने चन्द्रबनी चौक के पास से एक युवक को 6 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम नसीम पुत्र हमीद निवासी ग्राम गनदेवडा थाना फतेहपुर सहारनपुर बताया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

राष्ट्रीय बचत अभिकर्ता एसोसिएशन ने चुना सचदेवा को अध्यक्ष

विशेष संवाददाता

ऋषिकेश। राष्ट्रीय बचत अभिकर्ता एसोसिएशन द्वारा सर्वसम्मति से वरिष्ठ अभिकर्ता के. के. सचदेवा को अध्यक्ष चुना गया। सचदेवा वर्ष 1996 से 50 वर्षों से भी अधिक समय से डाकघर की सेवा कर रहे गिरधारी लाल ब्रेजा के सानिध्य में अभिकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं।

सचदेवा पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक सांस्कृतिक संगठन न्यू स्टार क्लब के संस्थापक/अध्यक्ष , उत्तराखंड श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के पूर्व अध्यक्ष, हनुमंतपुरम विकास मंच, गंगानगर के संस्थापक/अध्यक्ष सहित अन्य कई सामाजिक सांस्कृतिक धार्मिक संगठनों से जुड़े हुए हैं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष के के सचदेवा आजकल सोशल मीडिया में जमकर छा रहे हैं। सचदेवा जो कि लंबे

समय से सामाजिक संगठनों में जुड़े हुए हैं उनका कहना है मेरे साथी अभिकर्ताओ ने मुझे सेवा करने का मौका दिया है मैं बिना भेदभाव के विकास कार्य और अभिकर्ता के हितों के लिए कार्य करूंगा और उन्होंने अभिकर्ताओ को एकजुट होने का आह्वान भी किया है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सचदेवा ने सभी अभिकर्ताओं से आग्रह किया है कि वह कर्तव्यनिष्ठ व ईमानदारी के साथ काम करेंगे उन्होंने कहा कि हमारा सबका कर्तव्य है कि हम अधिक से अधिक निवेशकों का धन राष्ट्रीय बचत योजनाओं में लगाकर प्रदेश व देश की सेवा कर खुशहाली लाएं। उन्होंने सभी अभिकर्ताओं का धन्यवाद दिया और शीघ्र ही कार्यकारिणी का गठन कर एक समारोह में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने का आह्वान भी किया है। इस अवसर पर एसोसिएशन द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी पूर्व पोस्ट मास्टर कृष्ण कुमार सिंधी, विमल ब्रेजा, पूर्णिमा वर्मा, गिरधारी लाल ब्रेजा सहित अभिकर्ता अजय गुप्ता ,अजय ब्रेजा ,हंसराज मंडोलिया, नंदकिशोर अग्रवाल ,शिवकुमार, राजेंद्र रैना, एच एम लाल सहित कई लोग उपस्थित थे।

कालीन खरीदते समय इन बातों का ध्यान रखना बहुत जरुरी, चलेगा सालोंसाल

घर की सुन्दरता बढाने में कई चीजों की जरूरत होती है और सभी चीजें इसमें अपना महत्व बनाए रखती हैं। इसी में कालीन का भी एक विशेष स्थान होता हैं जो आपको ठन्डे आँगन से बचाने के साथ ही घर की सुन्दरता भी बढाता है। लेकिन अक्सर लोगों की यह शिकायत होती है कि कालीन जल्दी ही फट जाता है या उसकी चमक खो जाती हैं। इसलिए आज हम आपको कुछ विशेष ध्यान रखने वाली बातों के बारे में बताने जा रहे है जो आपको कालीन खरीदते वक्त ध्यान रखनी हैं। तो आइये जानते है इन बातों के बारे में।

* कालीन की गद्दी

प्रत्येक कालीन गद्दी के साथ आता है। लेकिन कुछ कालीनों में पतली गद्दी होती है, तो कुछ में मोटी। अच्छी गद्दी वाला कालीन वही होता है जिस में ठीक तरीके से गद्दी लगाई गई हो। सही तरीके की गद्दियों वाला कालीन अधिक सुविधापूर्ण और आरामदेह होता है। लेकिन मुलायम मोटी गद्दियां अधिक आरामदेह नहीं होतीं। इन के बजाय ऐसी ठोस गद्दियां अधिक आरामदेह और उपयुक्त होती हैं, जो अपेक्षाकृत अधिक पतली होती हैं।

* कालीन का रेशा

जहां एक ओर कालीन के रोएं से उस की भीतरी परत का निर्धारण होता है, वहीं दूसरी ओर कालीन के रेशे से उस की बाहरी परत बनती है। ये रंगों और पैटर्नों की ढेरों वैराइटियों में उपलब्ध हैं। ये अत्यधिक जलरोधी और दागरोधी भी होती हैं। ऊन वह सब से कीमती रेशा है जिस का कालीनों में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन उन कालीनों के लिए अधिक केयर और रखरखाव की जरूरत पड़ती है।

* जांचें रेशे का घनत्व

कालीन खरीदने से पहले रेशे के घनत्व की जांच अवश्य कर लेनी चाहिए। कालीन में रेशे का घनत्व जितना अधिक होगा वह उतना ही अधिक अच्छा होगा। दरअसल, उच्च घनत्व वाले कालीन फील और टच में अधिक मजबूत और आरामदेह होते हैं। ये पैरों के नीचे मुलायम तो रहते ही हैं, थके हुए पैरों के लिए आरामदेह भी होते हैं।

* रोएं की जांच करें

कालीन का रोयां कालीन का मुख्य आधार होता है। कालीन का फील इस बात पर बहुत अधिक निर्भर करता है कि उस में किस प्रकार के रोएं का इस्तेमाल किया गया है। रोएं बुने हुए और कलगीदार होते हैं, लेकिन बुने हुए रोएं कलगीदार रोएं की तुलना में अधिक मजबूत और टिकाऊ होते हैं। बुने हुए रोएं एकदूसरे के साथ अधिक निकटता से बुने जाते हैं, जिस से कालीन को अधिक ठोस और मजबूत फीलिंग मिलती है। इसलिए कलगीदार कालीनों की तुलना में बुने हुए कालीनों को अधिक तरजीह दी जाती है।(आरएनएस)

सिंक की बदबू बनती है बड़ी परेशानी, इन उपायों की मदद से दूर करें इन्हें

अक्सर देखा गया है कि महिलाऐं किचन के सिंक में आने वाली बदबू से परेशान रहती हैं क्योंकि यह बदबू पूर घर में फैलती हैं और घर आए मेहमानों के सामने आपको शर्मिंदा करती हैं। ऐसे में जरूरी हैं कि इस बदबू का कारण जाना जाए और बदबू को दूर करने के उपाय किए जाए। सिंक में बदबू तो खाने के फंसे होने की वजह से होती हैं। इसलिए आज हम आपके लिए कुछ बेहतरीन उपाय लेकर आए है जिनकी मदद से इस बदबू से छुटकारा पाया जा सकता हैं। तो आइये जानते है इन उपायों के बारे में।

* नेप्थलीन की गोली का करें इस्तेमाल

बदबू खत्म के लिए नेप्थलीन की गोली भी बहुत ही अच्छा उपाय है। आप हमेशा सिंक में 1 नेप्थलीन की गोली डालकर रखें। इससे कभी भी आपको इस समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

* सिरके से दूर करें बदबू

आप चाहे तो सिरके का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। सिंक में सिरके को डालकर छोड़ दें, बाद में स्क्रब और पानी से रगड़कर साफ करें। इससे सिंक क्लीन हो जाएगा और गदंगी भी निकल जाएगी। सिंक में व्हाइट स्पॉट पड़ जाते हैं तो वो भी आसानी से निकल जाएंगे।

* जैतून का तेल है फायदेमंद

सिंक और ड्रेन पाइप को धोने के बाद सिंक पर हल्का सा पानी डालें और इसे तौलिया या टिश्यू से अच्छी तरह पोंछ लें। इससे सिंक पर पानी के दाग भी नहीं रहेगा। इसके बाद ऑलिव ऑयल की कुछ बूदों को डालकर पेपर टॉवल से पोंछ दें। इससे सिंक शाइन करेगा और बदबू भी दूर रहेगी।

* बेकिंग सोडे का इस्तेमाल करें

अगर आपका सिंक स्टेनलेस स्टील से बना हुआ है तो इसे साफ करने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें। इससे बदबू भी दूर हो जाएगी और सिंक चमकदार भी बनेगा। इसके लिए बेकिंग सोड़ा को पूरे सिंक में छिड़क दें और 5 मिनट बाद सक्रब से रगड़कर अच्छे से साफ करें।

* संतरे के छिलकों का इस्तेमाल

सिंक को खूशबूदार बनाने के लिए उसे संतरे के छिलकों से रगड़ें। फिर गुनगुने पानी से सिंक को साफ करें। इससे सिंक की बदबू कुछ देर में ही दूर हो जाएगी।

हैंगिंग चेयर बनेगी आपके घर का आकर्षण, इस तरह ले इस्तेमाल में

इन दिनों होटल हो या घर सभी जगह स्विंग चेयर का चलन नजर आ रहा है । अच्छी बात यह है कि इसका इस्तेमाल करने के लिए आलीशान घर की जरूरत नहीं होती। दो रूम के फ्लैट में भी से आसानी से लगाया जा सकता है । अगर आप अपने घर की सजावट में ज्यादा तामझाम नहीं चाहती। उसे सिंपल तरीके से सजाना चाहते हैं तो घर भी किसी जगह पर स्विंग चेयर लगाने की व्यवस्था जरूर करें । ये घर को ट्रेंडी लुक देगा।

लेस डिजाइन

हैंगिंग डिजाइन एक-सूदिंग इम्पैक्ट देता है ।मोल्डेड डिजाइन देखने में बेहद खूबसूरत लगते हैं। यह इनडोर हैंगिंग के लिए एक अच्छा ऑप्शन है ,जो लोग घर में अपने पर्सनल जगह चाहते हैं घर के कोने में से इसे लगा सकते हैं।

विकरवर्क हैंगिंग चेयर

विकर का फर्नीचर हर घर को नया और कंटेम्परारी लुक देता है। पीसफुल और वार्म फीलिंग के लिए विकर हैंगिंग चेयर में कर्व डिज़ाइन चुना जा सकता है।

बबल हैंगिंग चेयर

बच्चो के कमरे के लिए बबल हैंगिंग चेयर से बेहतरीन दूसरा कोई ऑप्शन नही है। इस ट्रांसपेरेंट हैंगिंग चेयर के लुक को डिफरेंट कुशन डिज़ाइन के जरिये बढ़ाया जा सकता है। ये बच्चो के कमरे को बबली और मॉडर्न लुक देता है। साथ ही छोटे बच्चो के लिए झूले का काम करता है।

एग शेप चेयर

इस तरह की चेयर का आकार एग शेप यानी अंडाकार होता है। ये कम जगह लेता है। हैंगिंग चेयर का ये डिज़ाइन भले ही पुराना हो। लेकिन ट्रेंड से कभी आउट नही होता। पुराने जमाने के हर एक घर मे ऐसी एक चेयर मिल जाती है।

डबल स्विंग चेयर

पिछले कुछ समय मे स्विंग हैंगिंग चेयर में कई तरह के एक्सपेरिमेंट किये गए हैं। ऐसा ही एक बदलाव डबल स्विंग चेयर के साथ देखने को मिला। इसमें फैलाव थोड़ा कम होता है। जिसकी वजह से यर कम जगह घेरते हैं। (आरएनएस)

इन तरीको की मदद से मिनटों में साफ़ होंगी झूठे बर्तनों से जिद्दी चिकनाई

साफ चमकती किचन में सबसे पहले ध्यान जाता है, बर्तनों पर। जिसमे आपको अपने बर्तनों की सफाई पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है। बर्तन धोना किचन का सबसे काम है। ऐसे में बहुत से लोग ऐसे होते है जिन्हें बर्तन धोना बड़ा ही झंझट वाला काम लगता है। लेकिन कुछ बातो को ध्यान में रखकर इसी काम को बहुत आसानी से किया जा सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बतायेंगे जिनकी मदद से आप मिनटों में बरतनों को साफ़ कर सकती है तो आइये जानते है इस बारे में...

* बर्तन धोने से पहले पूरे घर को चेक कर लें और सारे जूठे बर्तनों को एक ही जगह इकट्ठा कर लें। प्लानिंग से काम करने पर आपको बार-बार भागना नहीं पड़ेगा। बर्तन धुलने की सामग्री जैसे- साबुन, स्क्रबर और तौलिया भी पास में रख लें।

* बर्तनों को धुलने से पहले गर्म पानी में भिगो दें ताकि इनसे चिकनाई छूट जाए और इनको साफ करने में ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े।

*जूठे बर्तनों को पानी से साफ करके किसी अलग टब या स्लैब पर ही रख लें। ऐसा करने से आपका काम भी कम हो जाएगा और आपको बर्तनों से बार-बार जूठन भी नहीं निकालनी पड़ेगी। बर्तनों को स्क्रब करने के बाद उन्हें छोटे से लेकर बड़े के क्रम में धोना शुरू करें।

* कांच के बर्तन और चीनी मिट्टी के बर्तनों को धोकर अलग रख लें ताकि इनके टूटने का खतरा कम रहे। चम्मच, कांटे और चाकू भी पहले ही साफ कर लें।

* बर्तनों को धोने के बाद एक साथ घुसाकर कर न रख दें। पहले इन्हें सूखने दें और फिर किचन टॉवल से पोंछने के बाद रैक में रखें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -103

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

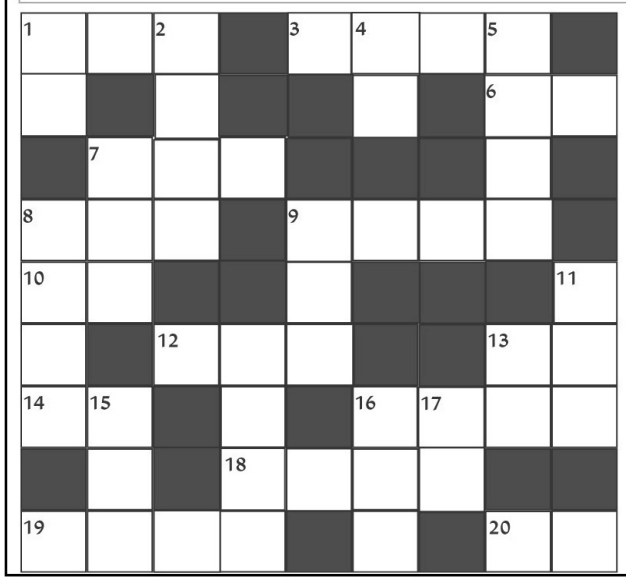

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 102 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

अरबाज खान की गर्लफ्रेंड जॉर्जिया एंड्रियानी क्रूज पर दिये बोल्ड पोज

जॉर्जिया एंड्रियानी जिसने हमेशा अपने शानदार व्यक्तित्व और आकर्षक लुक से हमारे दिलो की धड़कन को बढ़ाया है,अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया पर एक शांतिपूर्ण सूर्यास्त को देखते हुए क्रूज से पोज देते हुए कई तस्वीरें डालीं, जिससे हम उसकी सुंदरता के लिए पागल हो गए।जॉर्जिया जो अपने सोशल मीडिया पर अत्यधिक सक्रिय है, ने अपने सभी प्रशंसकों को अपनी शानदार तस्वीरें अपलोड करके प्रशंषको को एक सुन्हेरा तोफा दिया है7

क्रूज के माध्यम से गोवा की अपनी यात्रा का आनंद लेने वाली जियोर्जिया ने अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की है और अभिनेत्री हमेशा की तरह कातिलाना दिख रही है। जॉर्जिया ने समुद्र के नज़ारे के चारों ओर पोज़ देते हुए तस्वीरें साझा की, जहाँ अभिनेत्री ने एडिडास के लंबे मोजे और सफेद स्नीकर्स के साथ एक सफेद मिनी फुल स्लीव क्रॉप टॉप पेयर के साथ प्रिंटेड मिनी हॉट शॉर्ट्स का विकल्प चुना। जिस चीज ने हमारी आंखों को पकड़ा, वह थी उसके जूतों पर पर्शियन कैट प्रिंट। एक्ट्रेस ने वेवी कर्ल्स के साथ अपने बालों को खुला रखा और मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने अपने लुक को पूरा किया। इस टैलेंटेड डीवा के पोज काफी खूबसूरत हैं। इन तस्वीरों को साझा करते हुए, अभिनेत्री ने उन्हें सेल एवे विथ मी के रूप में कैप्शन दिया।

अभिनेत्री ने एक और वीडियो साझा किया जिसमे वे हम सभी को सम्नदर का नज़ारा दिखा रही है, हम वाकई में यह समज नहीं पा रहे हु की हमे अभिनेत्री पे ध्यान देना चाहिए या फिर समुन्दर के नज़ारे पे7 हम कह सकते हैं कि जो भी हो,जॉर्जिया हर लुक को निखार सकती है और अपने सभी प्रशंसकों को अपने चकाचौंध भरे पोज़ और लुक्स से दीवाना बना देती है।

प्रशंसक इस सुंदरता की सराहना करने से खुद को रोक नहीं पाए और उनके पूरे कमेंट सेक्शन को दिल और आग के इमोटिकॉन्स से भर दिया।काम के मोर्चे पर, जॉर्जिया एंड्रियानी को हाल ही में शहनाज़ गिल के भाई शहबाज़ बादशाह के साथ लिटिल स्टार गाने में देखा गया था। अभिनेत्री इस साल श्रेयस तलपड़े अभिनीत वेलकम टू बजरंगपुर से बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री एक संगीत वीडियो में भी दिखाई देंगी, जिसकी बारीकियों का जल्द ही खुलासा किया जाएगा। (आरएनएस)

वरलक्ष्मी सरथकुमार-स्टारर सबरी पर काम शुरू

अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरथकुमार, जो हाल ही में चेन्नई से हैदराबाद स्थानांतरित हुई हैं, अगली बार बहुभाषी फिल्म सबरी में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने इस परियोजना के लिए फिल्मांकन शुरू कर दिया है और इसे लेकर बहुत उत्साहित हैं। वरलक्ष्मी सरथकुमार कहती हैं, मैं इस परियोजना को शुरू करने के लिए खुश हूं। मैं शूटिंग का हिस्सा बनने का इंतजार नहीं कर सकती। मुझे लगता है कि दर्शक निश्चित रूप से इस फिल्म का आनंद लेंगे। अगले तीन महीनों के लिए, युवा और मेहनती टीम ने निरंतर शूटिंग की योजना बनाई है।

सबरी को एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर पेश किया गया है। गणेश वेंकटरमण, शशांक सिद्धमसेट्टी और माइम गोपी सहायक भूमिकाओं में दिखाई देंगे। लोकप्रिय संगीतकार गोपी सुंदर फिल्म के लिए संगीत देने के लिए तैयार हैं, जबकि नानी चामिदिसेट्टी फोटोग्राफी के निर्देशक के रूप में काम करेंगी। अनिल काट्ज द्वारा निर्देशित, निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में बनाई जाएगी।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्देशक अनिल काट्ज कहते हैं, सबरी आज की महिला की कहानी है, जिसका चरित्र चित्रण एक व्यक्तिगत भावना की आकांक्षाओं को दर्शाता है। एक शक्तिशाली महिला जो अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दुनिया से लड़ने को तैयार है। वरलक्ष्मी सरथकुमार, जिनके पास पर्दे पर और बाहर दोनों जगह एक जीवंत व्यक्तित्व है, आज की मजबूत महिला का प्रतीक हैं। मुझे लगा कि वह इस किरदार के लिए बहुत उपयुक्त हैं और मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। निर्माता फिल्म की शूटिंग हैदराबाद, विशाखापत्तनम और कोडाइकनाल में करने की योजना बना रहे हैं। सबरी को महेंद्र नाथ कोंडला द्वारा महा मूवीज के माध्यम से नियंत्रित किया गया है, जबकि महर्षि कोंडला फिल्म प्रस्तुत करेंगे। सबरी की शूटिंग तीन सीधे शेड्यूल- अप्रैल, मई और जून में खत्म होगी। सबरी के अलावा, वरलक्ष्मी एनबीके 107, यशोधा और हनु मान जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

थैंक यू फॉर कमिंग फिल्म में दिखेंगी भूमि पेडनेकर

पिछले कुछ सालों में भूमि पेडनेकर ने अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। मौजूदा दौर में भी उनके खाते में कई फिल्में जुड़ी हैं। अब एक और नई फिल्म के साथ इस अभिनेत्री का नाम जुड़ गया है। खबरों की मानें तो वह फिल्ममेकर करण बूलानी के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग में दिखेंगी। कहा जा रहा है कि यह एक सोशल कॉमेडी फिल्म होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, भूमि फिल्ममेकर बूलानी की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग में उपस्थिति दर्ज कराएंगी। एक सूत्र ने कहा, शीर्षक में कमिंग शब्द का एक अलग अर्थ है और शीर्षक से ही पता चलता है कि यह एक और सोशल कॉमेडी फिल्म होगी। फिल्म का निर्माण रिया कपूर ने अपने बैनर तले किया है और स्टूडियो पार्टनर के रूप में शामिल होने के लिए एक प्रमुख निर्माता के साथ बातचीत चल रही है।

ऐसी चर्चा है कि फिल्म की शूटिंग दिल्ली में शुरू हो चुकी है। इस महीने के अंत तक इसकी शूटिंग पूरी हो सकती है। रिपोर्ट की मानें तो यह फिल्म सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो सकती है। एक सूत्र ने बताया, फिल्म अगले कुछ महीनों में रिलीज के लिए तैयार हो जाएगी। शूटिंग पूरी होने के बाद टाइटल और स्टारकास्ट के बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट की जाएगी।

कहा जा रहा है कि अभिनेता अनिल कपूर भी इस फिल्म में अहम भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि बूलानी अभिनेता अनिल की बेटी रिया कपूर के पति हैं। बूलानी ने कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया है। उन्होंने 500 से ज्यादा ऐड फिल्में बनाई हैं। वह रिया के प्रोडक्शन की फिल्म आयशा और करण जौहर की वेक अप सिड में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम कर चुके हैं।

भूमि हाल में बधाई दो में अभिनेता राजकुमार राव के साथ दिखी हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कमाल नहीं कर पाई। वह राजकुमार के साथ फिल्म भीड़ में भी काम कर रही हैं। इसके अलावा भूमि, अर्जुन कपूर की फिल्म लेडी किलर में नजर आएंगी। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म अफवाह में भी उनके दिखने की खबर सामने आ चुकी है। करण जौहर की तख्त और गोविंदा नाम मेरा के साथ उनका नाम जुड़ा है।

एक्टिंग के अलावा भूमि जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को लेकर काम कर रही हैं। इसके लिए उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान भी मिल चुकी है।

बड़े अच्छे लगते हैं 2 के सेट पर शामिल हुई साक्षी तंवर

अभिनेत्री साक्षी तंवर माई के प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं, वे अब बड़े अच्छे लगते हैं 2 के सेट में शामिल हो गई हैं। शो के लेटेस्ट प्रोमो में साक्षी तंवर (शील) की भूमिका और दिशा परमार (प्रिया) के नाम का किरदार निभाएंगी, जिसमें शील प्रिया को जीवन की एक चुनौतीपूर्ण स्थिति से बाहर निकलने में मदद करती नजर आ रही हैं।

हाल ही में एपिसोड की शूटिंग के बाद साक्षी ने बड़े अच्छे लगते हैं 2 के कलाकारों के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, बड़े अच्छे लगते हैं के सेट पर शूटिंग करना मेरे लिए घर वापसी जैसा महसूस हुआ। यह दिलचस्प और आकर्षक है जिस तरह से इस एपिसोड की पटकथा लिखी गई है।

शो में जबकि राम (नकुल मेहता) अपने पिता की मौत के पीछे की सच्चाई को खोजने के लिए संघर्ष करते नजर आएंगे, साक्षी लखनऊ से मुंबई तक अपनी दिवंगत बेटी को न्याय दिलाने के लिए मदद की गुहार लगाती है, जबकि राम और शील आश्वस्त हैं कि उनके संबंधित परिवार के सदस्य एक हत्या का शिकार हो गए हैं, दोनों सच्चाई का पता लगाने के लिए जुट जाते हैं। साक्षी ने कहा, मेरा किरदार राम और प्रिया की पहेली को सुलझाने में मदद करने के लिए लिया गया है। प्रिया के रूप में नजर आने वाली दिशा परमार ने शो में साक्षी की एंट्री के बारे में आगे बताया।

उन्होंने कहा, उनका सेट में प्रवेश करना टीम के लिए एक सुखद अनुभव था। जिस सहजता के साथ वह अभिनय करती है और चरित्र को जीवंत करती है, वह देखने लायक है। बड़े अच्छे लगते हैं 2 सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।(आरएनएस)

शुभांगी अत्रे ने अंगूरी के किरदार के लिए अपने अवलोकन कौशल को श्रेय दिया

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया कि हास्य धारावाहिक भाबीजी घर पर हैं ने उन्हें किस तरह एक अभिनेत्री के रूप में विकसित होने का मौका दिया। उन्होंने कहा, भाबीजी घर पर हैं मेरे करियर के प्रमुख मील के पत्थर में से एक है और इसने मेरे जीवन पर एक बड़ा, अविस्मरणीय प्रभाव डाला है। मैं निर्माताओं का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे भारतीय टेलीविजन पर इस कल्ट कॉमेडी शो का हिस्सा बनने का मौका दिया। मैंने हमेशा अंगूरी की प्रशंसा की है और उसे अपनाया है, क्योंकि इस किरदार ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। मैंने अपने करियर में कई अलग-अलग किरदार निभाए हैं।

शुभांगी ने कहा, हालांकि, अंगूरी की भूमिका ताजा रूप से अलग रही है। यह एक प्रतिष्ठित किरदार है, जिसने दर्शकों के साथ तालमेल बिठाया है। इस भूमिका ने मुझे दर्शकों से प्रसिद्धि, पहचान, अपार प्यार और सराहना दी है।

अभिनेत्री ने कहा, लेकिन मेरे किरदार अंगूरी को उसके प्यार, मासूमियत और सादगी के लिए मिले प्यार को देखते हुए मुझे लगता है कि मैंने इस शो और किरदार को लेकर सबसे अच्छा निर्णय लिया है।

यह पूछने पर कि दर्शकों को हंसाना क्या बहुत कठिन है, उन्होंने जवाब दिया, किसी को हंसाना आसान नहीं है। यह वास्तव में काफी चुनौतीपूर्ण है। मैंने अंगूरी के चरित्र में पूरी तरह से ढलने के लिए समय लिया। मेरे निर्देशक, शशांक बाली और लेखक मनोज संतोषी निर्देशित किया और मुझे चरित्र की बारीकियों और कॉमिक टाइमिंग को समझने में मदद की।

एक अभिनेता के रूप में, मेरा मानना है कि मेरे पास अच्छे अवलोकन का आवश्यक गुण है। एक बच्चे के रूप में, मैंने छोटे शहर की महिलाओं के व्यवहार को देखा, जिससे मुझे अपना चरित्र बनाने में मदद मिली। एक अभिनेता के रूप में, मुझे लगता है कि हमारा जीवन कहीं अधिक कठिन है दर्शकों को रोजाना हंसाना एक कठिन काम है, लेकिन यह टीम के प्रयास के बारे में है, और हम इस पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

अभिनेत्री ने बताया कि ओटीटी निर्माताओं को कैसे को अधिक यथार्थवादी और प्रयोगात्मक कहानियां बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

शुभांगी ने कहा, मेरा मानना है कि ओटीटी वास्तविक घटनाओं का एक नाटकीय संस्करण है। यह उन लोगों को मौका दे रखा है, जो कहानी कहने में माहिर हैं और यही वजह है कि टेलीविजन सामग्री विकसित हो रही है। मुझे लगता है कि टेलीविजन हिंदीभाषी और क्षेत्रीय दर्शकों को अधिक आकर्षित करता है, जबकि ओटीटी के दर्शक मेट्रो-केंद्रित हैं और उनकी सीमित संख्या है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, भारतीय टेलीविजन ने दर्शकों को काफी अच्छे शो दिए हैं और अभी भी सामग्री और पात्रों के साथ प्रयोग कर रहे हैं। भाबीजी घर पर है एक ऐसा शो है, जिसके दर्शक इसके किरदारों और मजेदार कहानी का आनंद लेते हैं। ऐसे कई और धारावाहिक हैं, जैसे कसौटी जिंदगी की की। (आरएनएस)

भारत की तटस्थता कितनी कारगर ?

अजीत द्विवेदी

यूक्रेन पर रूस के हमले के 50 दिन पूरे हो गए हैं। यूक्रेन की सीमा से निकल कर युद्ध फिनलैंड और स्वीडन तक जाने के आसार दिख रहे हैं। रूस की मदद कर रहा बेलारूस पहले से युद्ध के दायरे में है। पारंपरिक युद्ध भले दो देशों के बीच हो रहा है लेकिन दुनिया का हर देश किसी न किसी तरह से इसमें शामिल है। डेढ़ महीने से ज्यादा समय से चल रहे इस युद्ध से दुनिया दो हिस्सों में बंटी है। आखिरी बार ऐसी स्थिति दूसरे विश्वयुद्ध के समय बनी थी लेकिन तब भारत एक संप्रभु राष्ट्र नहीं था। आजादी के बाद दशकों तक दो महाशक्तियों- अमेरिका और रूस के बीच शीतयुद्ध चलता रहा था और तब नेहरू की गुटनिरपेक्षता की नीति की वजह से भारत और निर्गुट आंदोलन के अनेक देश तटस्थ रहने की नीति पर चलते रहे। लेकिन अभी जो हो रहा है वह शीतयुद्ध नहीं है। वह खूनी जंग है, जिसमें हजारों लोगों की जान गई है, लाखों लोग घायल हुए हैं, करोड़ों लोगों का जीवन मुश्किल हुआ है और अरबों-खरबों की संपत्ति नष्ट हुई है। लाखों बच्चे विस्थापित हुए हैं और रूस के हमले में सैकड़ों ऐतिहासिक इमारतें और धरोहर नष्ट हुए हैं। मानवता के सामने आखिरी बार इतना बड़ा संकट भी विश्व युद्ध के समय ही खड़ा हुआ था। 50 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं और लाखों बच्चों के बेचे जाने की आशंका संयुक्त राष्ट्र संघ ने जाहिर की है।

ऐसे समय में क्या तटस्थता की नीति एक कारगर कूटनीति कही जा सकती है? दूसरा सवाल है कि भारत तटस्थ नहीं रहे तो क्या जंग में कूद जाए? तटस्थ नहीं रहने का यह मतलब नहीं है कि भारत जंग में कूदे। आखिर अमेरिका और यूरोपीय देश भी जंग में नहीं कूदे हैं। उसी तरह भारत जंग में कूदे बगैर भी यूक्रेन पर रूस के हमले का विरोध कर सकता है और यूक्रेन की मदद कर सकता है। कोई भी जंग मानवता के विरूद्ध होती है और जिस जंग में इंसानों की जान जा रही हो उसका विरोध करना भारत जैसे लोकतांत्रिक देश की स्वाभाविक नीति होनी चाहिए। लेकिन अफसोस की बात है कि हिंसा रोकने की दो-चार औपचारिक अपीलों के सिवाए भारत ने कुछ भी ऐसा नहीं किया है, जिससे लगे कि वह दुनिया के सामने आए इस संकट को दूर करने के लिए कोई सक्रिय प्रयास कर रहा है। यह स्थिति तब है, जब दुनिया के देश चाह रहे हैं कि भारत एक भूमिका निभाए।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने नई दिल्ली की यात्रा में कहा कि भारत एक महत्वपूर्ण देश है और अगर वह कोई तर्कसंगत भूमिका निभाता है तो रूस को उस पर आपत्ति नहीं होगी। क्या रूस के यह कहने के बाद भारत ने कोई प्रयास किया? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की लेकिन उसके बाद उन्होंने जंग को लेकर कोई संवाद नहीं किया है। क्या भारत को लग रहा है कि रूस के साथ उसके संबंधों की डोर इतनी कमजोर है कि अगर वह जंग रूकवाने के लिए प्रयास करेगा तो वह डोर टूट जाएगी? अगर आपसी संबंधों में इतना भरोसा या इतनी मजबूती नहीं है तो तय मानें कि वह कभी भी टूट सकती है। उसे बचाए रखने के लिए भारत की ओर से दी जाने वाली कोई भी कुर्बानी कारगर नहीं होगी।

शीतयुद्ध के समय तटस्थता के बावजूद भारत का रूझान सोवियत संघ की ओर था। हैरानी की बात है कि अब भी जब रूस कोई महाशक्ति नहीं है और सबको पता है कि वह चीन का जूनियर पार्टनर या पिट्ठू है तब भी भारत का झुकाव उसकी ओर ही है। रूस हमलावर है और दुनिया के ज्यादातर सभ्य व विकसित देश उसके खिलाफ हैं। चीन उसे शह दे रहा है, जो खुद ही कोरोना वायरस की उत्पत्ति और उसे फैलाने को लेकर दुनिया भर में बदनाम है। ऐसे समय में क्या भारत की नीति चीन और रूस दोनों से दूरी बनाने की नहीं होनी चाहिए? सोचें, चीन की विस्तारवादी नीति से खुद भारत भी परेशान है। फिर वह कोई ऐसी कूटनीति कैसे कर सकता है, जिससे चीन का हित सधता हो।

भारत की तटस्थता की नीति के साथ एक समस्या यह है कि वह पूरी तरह से तटस्थ न होकर रूस की ओर झुकाव वाली है। संयुक्त राष्ट्र संघ में जितनी बार रूस की आलोचना करने का प्रस्ताव आया, भारत ने हर बार उस पर वोटिंग से दूरी रखी। दूसरे, भारत ने युद्ध या हमले के लिए रूस की आलोचना नहीं की। बुचा में हुए नरसंहार की भारत ने जरूर आलोचना की लेकिन उसे कूटनीति से नहीं जोड़ सकते। तीसरे, रूस से तेल की खरीद भी भारत बढ़ा रहा है और अपने हितों के हवाले इसे न्यायसंगत ठहरा रहा है। लेकिन हकीकत यह है कि रूस से तेल खरीद बढ़ाना भारत की ऊर्जा जरूरत को पूरा करने में बहुत मददगार नहीं हो रहा है।

यह भी एक संयोग है कि ज्यादातर बड़े विकासशील लोकतांत्रिक देश इस मामले में ढुलमुल रवैया अपनाए हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका से लेकर ब्राजील और इंडोनेशिया से लेकर भारत तक ये चार बड़े लोकतांत्रिक देश हैं, जिन्होंने इस मामले में खुल कर रूस की आलोचना नहीं की है। इनमें भी भारत की स्थिति बाकी तीन देशों से अलग है। अपने आकार और अर्थव्यवस्था दोनों के दम पर भारत इस मामले में बड़ी भूमिका निभा सकता था। अगर ऐसा नहीं होता तो इस जंग के दौरान दुनिया भर के देशों के नेता भारत का दौरा नहीं करते। अमेरिका के डिप्टी एनएसए दलीप सिंह भारत आए तो चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भारत का दौरा किया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लवारोव भारत आए तो जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने भी भारत का दौरा किया। ब्रिटेन की विदेश मंत्री एलिजाबेथ ट्रस भी भारत आईं। ऑस्ट्रिया सहित कई छोटे यूरोपीय देशों के नेता भी भारत आए। इतने नेताओं के भारत के दौरे का मकसद इतना था कि भारत इस मामले में कोई सक्रिय भूमिका निभाए। भारत की तमन्ना विश्व शक्ति बनने की है, वह तमन्ना ऐसे ही मौकों के इस्तेमाल से पूरी हो सकती है। दक्षिण एशिया में भी भारत को एक कूटनीतिक ताकत के तौर पर तभी स्वीकार किया जाएगा, जब वह विश्व मामलों में दखल देगा। चुपचाप बैठे रहना कोई विकल्प नहीं हो सकता है।

मेरे लिए करियर चेंजर साबित होने जा रही है जर्सी : गीतिका मेहंदरू

अभिनेत्री गीतिका मेहंदरू ने अपनी नई परियोजना जर्सी के बारे में बात की और इसकी नाटकीय रिलीज के बारे में अपनी उत्तेजना साझा की।

शाहिद कपूर की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म पहले पिछले साल 29 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी। हालाँकि, स्पोर्ट्स ड्रामा के निर्माताओं ने ओमिक्रॉन वेरिएंट पर आशंकाओं के कारण नागरिक प्रतिबंधों को फिर से लागू करने के बाद फिल्म की नाटकीय रिलीज को स्थगित करने का निर्णय लिया था।

अब जबकि देश में कोविड की स्थिति स्थिर है, निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला किया है।

उसी पर बोलते हुए, गीतिका कहती हैं, जितना अधिक आप किसी चीज के लिए उत्साहित होते हैं, उतनी ही देर हो जाती है। जर्सी में मेरे साथ ठीक यही हो रहा है। यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट कुछ ऐसा है जो मेरे बहुत करीब है। दिल और निश्चित रूप से मेरे लिए करियर चेंजर साबित होने वाला है।

फिल्म में एक पत्रकार की भूमिका निभाने वाली गीतिका आगे कहती हैं, हर बीतते दिन के साथ, मेरे पेट में तितलियां आ रही हैं। लेकिन मैंने फैसला किया है कि मैं रिलीज से पहले बहुत खुश नहीं होऊंगी। रिलीज होने के बाद, मैं और मेरी पूरी कास्ट निश्चित रूप से मस्ती और पार्टी करने वाले हैं।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 103

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.102 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

जैकी भगनानी ने जस्ट म्यूजिक के तहत नया म्यूजिक चैनल किया लॉन्च

एक्टर- प्रॉड्यूसर जैकी भगनानी ने अपने म्यूजिक लेबल जस्ट म्यूजिक के तहत एक भक्ति चैनल जस्ट पूजा लॉन्च किया है।

यह नया चैनल लोगों के लिए आध्यात्मिक गीत जारी करेगा। चैनल पर पहला ट्रैक हनुमान चालीसा होगा, जिसे वेद शर्मा ने कंपोज किया है और अंकित तिवारी ने गाया है।

चैनल का लोगो जैकी भगनानी की मां पूजा भगनानी के नाम पर है। नए चैनल को लेकर जैकी भगनानी ने बताया, हमने चैनल का नाम मां के नाम पर जस्ट पूजा रखा है। यह मेरे लिए बेहद खास एहसास है।

उन्होंने कहा, पूजा का मतलब प्रार्थना भी है, इसलिए मेरी मां के विश्वास और सर्वशक्तिमान की शपथ के रूप में, हमने यह नाम चुना है और इसके चारों ओर एक लोगो बनाया है। यहां से हमारी नई शुरूआत है।

हाल ही में, जस्ट म्यूजिक ने पहली मुलकत रोमांटिक गाने को प्रस्तुत किया था, जिसमें परमीश वर्मा ने अपनी आवाज दी। वहीं संजीदा शेख, सतीश वर्मा और सुनीता धीर ने शानदार अभिनय किया। म्यूजिक लेबल ने शुक्रवार को प्रभा गिल का एक और गाना अल्लाह वे वाने को भी लॉन्च किया। (आरएनएस)

तब अखंड भारतः अब आर्यावर्त्त

वेद प्रताप वैदिक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक ऐसा महत्वपूर्ण मुद्दा हरिद्वार के एक समारोह में उठा दिया है, आजकल कोई जिसका नाम भी नहीं लेता। न तो कोई राजनीतिक दल, न कोई सरकार और न ही कोई नेता 'अखंड भारत' की बात करता है। मोहनजी का कहना है कि अखंड भारत का यह स्वप्न अगले 15 साल में पूरा हो सकता है। ऐसा हो जाए तो क्या कहने? जो काम पिछले 75 साल में नहीं हुआ, वह सरकारों और नेताओं के भरोसे अगले 15 साल में कैसे हो सकता है? सबसे पहली बात तो यह है कि नेताओं को इस मुद्दे की समझ होनी चाहिए। दूसरी बात यह कि उनमें इसे ठोस रूप देने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए। मेरी विनम्र राय है कि यह काम सरकारों से कहीं बेहतर वे गैर-सरकारी संस्थाएं कर सकती हैं, जो सर्वसमावेशी हों। 1945-50 के दिनों में गुरू गोलवलकर ने अखंड भारत और डॉ. राममनोहर लोहिया ने भारत-पाक एका का नारा दिया था।

उस समय के लिए ये दोनों नारे ठीक थे लेकिन आज के दिन इन दोनों नारों के क्षेत्र को बहुत फैलाने की जरुरत है। ये दोनों नारे उस समय के अंग्रेज के भारत के बारे में थे लेकिन 50-55 साल पहले जब 15-20 पड़ौसी देशों में मुझे जाने और रहने को मिला तो मुझे लगा कि हमें महर्षि दयानंद के सपनों का आर्यावर्त्त खड़ा करना चाहिए। इस आर्यावर्त्त की सीमाएं अराकान (म्यांमार) से खुरासान (ईरान) और त्रिविष्टुप (तिब्बत) से मालदीव तक होनी चाहिए। इनमें मध्य एशिया के पांच गणतंत्रों और मोरिशस को जोड़ लें तो यह 16 देशों का विशाल संगठन बन सकता है। बाद में इसमें थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात को भी जोड़ा जा सकता है। यह दक्षेस (सार्क) के आठ देशों से दुगुना है।

16 देशों के इस संगठन का नाम जन-दक्षेस है। दक्षेस सरकारों का संगठन है। पिछले 7-8 साल से यह ठप्प पड़ा हुआ है। जन-दक्षेस इन 16 देशों की जनता और सरकारों को भी जोड़ेगा। इन देशों को मिलाकर मेरा सपना है कि इसे यूरोपीय संघ से भी अधिक मजबूत और संपन्न संगठन बनाया जाए। हमारे इन राष्ट्रों में यूरोप से कहीं अधिक धन-संपदा गड़ी पड़ी हुई है। क्या तेल, क्या गैस, क्या यूरेनियम, क्या सोना, क्या चांदी, क्या लोहा और क्या तांबा- सब कुछ हमारे इन देशों में इतना भरा हुआ पड़ा है कि अगले 5 साल में संपूर्ण दक्षिण और मध्य एशिया (आर्यावर्त्त) के लोग यूरोपीय लोगों से भी अधिक मालदार बन सकते हैं और करोड़ों लोगों को नए रोजगार मिल सकते हैं। हमारे इन 16 देशों के मजहब, भाषाएं, वेशभूषाएं और खान-पान अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सांस्कृतिक दृष्टि से ये सब एक ही हैं, क्योंकि हजारों वर्षों से ये विशाल आर्यावर्त्त के अभिन्न अंग रहे हैं।

ऊर्जा निगम के पूर्व कर्मचारी ने खाया जहर, वीडियो किया वायरल

संवाददाता

देहरादून। ऊर्जा निगम के पूर्व लाइनमैन ने अधिकारियों पर उत्पीडन का आरोप लगाते हुए जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया जिसको महंत इंद्रेश हास्पिटल में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत चिन्ताजनक बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऊर्जा निगम के निरंजनपुर सब स्टेशन में उपनल के माध्यम से लाइनमैन नियुक्त किए गए बसंत कौशिक ने एक मुख्य अभियंता समेत आठ अधिकारियों पर उत्पीडन और भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया था। जिसके बाद कुछ समय पूर्व उक्त कर्मी को नौकरी से निकाल दिया गया। नौकरी से निकाले जाने के बाद से वह परेशान चल रहा था। गत दिवस बसंत ने एक वीडियो बनाया और वाट्सएप के माध्यम से कई लोगो को भेज दिया। वीडियो में उसने एक अधिकारी उनकी पत्नी सहित पांच अन्य अधिकारियों का नाम भी वीडियो में लिया है। बसंत का कहना है कि उक्त सभी अधिकारियों ने उसे मानसिक रूप से परेशान किया। बंसत ने वीडियों में उक्त अधिकारियों के उत्पीडन से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात कही है। साथ ही सभी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की है। सोशल मीडिया में आत्महत्या का वीडियो वायरल करने के बाद बसंत कौशिक को संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उसका नंबर लगातार स्विच आफ जा रहा था और वह घर पर भी नहीं मिला। पटेलनगर पुलिस ने बताया कि बसन्त को बेसुध अवस्था में महंत इंदिरेश अस्पताल में लाया गया है। जहां चिकित्सकों ने बताया कि बसंत ने जहर खाया है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रक की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत दूसरा घायल हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिपुर निवासी सतेन्द्र कुमार का पुत्र हर्ष अपने मित्र अभिषेक के साथ अपनी स्कूटी से घर की तरफ जा रहा था जब वह शिव मन्दिर सेलाकुई बाजर के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गये जिनको स्थानीय लोगों ने चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां पर हर्ष की उपचार के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने सतेन्द्र कुमार की तहरीर पर ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

3 किलो पेंगोलिन शल्क सहित दो वन्यजीव तस्कर...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

यह पेंगोलिन शल्क करीब एक वर्ष पुराने है तथा इस पेंगालिन को खटीमा के जंगल में मारा गया था। चूंकि पेंगोलिन शैड्यूल एक श्रेणी का जानवर है इसलिए तस्करों से विस्तृत पूछताछ जारी है। एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह द्वारा बताया गया कि कुमाऊँ के जंगलों में वन्य जीव जन्तुओं के शिकार करने की काफी समय से सूचनाएं मिल रही थी। जिस पर हमारी एक टीम लगातार काम कर रही थी, टीम द्वारा शातिर वन्य जीव तस्कर तोले सिंह व अरून कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इससे पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां एसटीएफ के हाथ लगी है।

बिजली कटौती पर अधिकारियों को..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह पूरी जानकारी और समाधान के साथ बैठक में आएं। इस अवसर पर मुख्य सचिव एसएस संधू ने भी ऊर्जा विभाग के इंजीनियरों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं कोई समस्या है तो बताया जाए अथवा हालात को जल्द सामान्य बनाने के प्रयास किए जाएं। उल्लेखनीय है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में 3 से 4 तथा शहरी क्षेत्रों मे 1 से 2 घंटे की बिजली कटौती की जा रही है जिसे लेकर मुख्यमंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। क्योंकि ऊर्जा विभाग का काम खुद मुख्यमंत्री ही देख रहे हैं। अभी 2 दिन पूर्व उनके द्वारा कहा गया था कि बिजली को लेकर किसी को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। लेकिन अघोषित बिजली की कटौती लगातार जारी है।

एक तरफ गर्मी के कारण बिजली की मांग भी बीते सालों के मुकाबले बढ़ी हुई है राज्य को 44 मिलियन यूनिट बिजली की दरकार है जिसके सापेक्ष राज्य सरकार के पास सिर्फ 24 मिलियन यूनिट बिजली उपलब्ध है वह भी तब जब हर रोज 10.11 मिलियन यूनिट बिजली बाहर से खरीदी जा रही है। इस खरीद के बाद भी मांग पूरी नहीं हो पा रही और कटौती की जा रही है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर वृक्षारोपण का किया आह्वान

संवाददाता

देहरादून। विश्व पृथ्वी दिवस पर संयुक्त नागरिक संगठन के तत्वाधान में पर्यावरण बचाओ अभियान के दौरान वृक्षारोपण कराने में सहभागिता का आहवान किया गया।

आज यहां विश्व पृथ्वी दिवस पर संयुक्त नागरिक संगठन के तत्वाधान में गांधी पार्क पर आयोजित पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत दून के पर्यावरण प्रेमियों ने राजधानी को कंक्रीट के जंगलों की जगह विशाल स्तर पर वृक्षारोपण कराने में सहभागिता का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा राजधानी में आम जनजीवन को वायु प्रदूषण से खतरा उत्पन्न हो गया है इसलिए पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए ही सुनियोजित विकास जरूरी है। राजधानी में गर्मी का स्तर बढ़ता जा रहा है फिर भी एक्सप्रेस-वे की योजनाएं बनाकर हजारों पेड़ों को काटा जाना विनाश का प्रतीक है। दून के चारों ओर प्रस्तावित 85 किलोमीटर लम्बे एक्सप्रेस-वे को एलिवेटेड रोड में बनाया जाना जरूरी है। जिससे पेड़ो को बचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि जल जंगल जमीन को सुरक्षित रखने हेतु उत्तराखंड में भू कानून पर सरकार को शीघ्र निर्णय लेना भी जरूरी होगा। इस अवसर पर पर्यावरण अभियान को विस्तृत बनाने हेतु उत्तराखंड महिला मंच की कमला पंत और निर्मला बिष्ट ने सामाजिक संस्थाओं को पहल करने का आह्वान किया। वक्ताओं में नेशनल पेरेंट्स एसोसिएशन के आरिफ खान, गवर्नमेंट पेंशनर संगठन के चौधरी ओमवीर सिंह, संसदे के ब्रिगेडियर केजी बहल,कर्नल बीएम थापा, हिमालय पर्यावरण सोसाइटी के जगदीश बावला, प्रमुख संस्था के पी के ककण, बैंक इंप्लाइज यूनियन के पूर्व अध्यक्ष जगमोहन मेहंदीरत्ता, आशा टम्टा, दून फूडरिलीफ फंड के जितेंद्र डडोना, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के मुकेश नारायण शर्मा, जेपी कुकरेती, हृदयेश शाही, डाक्टर आंचल शर्मा, आर एस कैंतूरा, केजी जस्सल, नवीन सदाना, प्रदीप कुकरेती, डॉक्टर बृज भूषण शर्मा, रविंद्र प्रधान आदि थे।

ठेली लगाने गयी युवती लापता

संवाददाता

देहरादून। ठेली लगाने गयी युवती घर नहीं पहुंची पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू पटेलनगर निवासी व्यक्ति ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी 17 अप्रैल को घर से लालपुल ठेली लगाने के लिए गई थी जो अभी तक वापस नही आई है। उसके द्वारा अपनी पुत्री को काफी तलाश किया गया पर फिर भी नही मिली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सुसाइड प्वांइट से युवक का अधजला शव बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। तीन दिन से लापता युवक का अधजला शव आज भीमताल स्थित सुसाइड प्वांइट के पास गहरी खाई में मिल गया है। युवक की बाइक व बैग 19 अप्रैल को इसी सुसाइड प्वांइट के पास मिला था। जिसकी आत्महत्या किये जाने की आंशका जताई जा रही थी।

भीमताल सुसाइड प्वांइट के समीप गहरी खाई में एक शव दिखायी देने की सूचना मिलने के बाद जब एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची तो उन्होने देखा कि गहरी खाई में एक अधजला शव पड़ा हुआ है। जिसे एसआरडीएफ टीम द्वारा खाई से निकाल कर जिला पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया गया। बताया जा रहा है कि हल्द्वानी निवासी रजत भल्ला पुत्र कश्मीरी लाल 19 अप्रैल से लापता था। जिसकी हल्द्वानी थाने में गुमशुदगी दर्ज करायी गयी थी। परिजनों के अनुसार रजत भवाली में रहकर मार्केटिंग का काम करता था तथा वह कुछ दिनों से परेशान था।

रोडवेज मे नौकरी लगाने के नाम पर पांच लाख ठगे

संवाददाता

देहरादून। रोडवेज में नौकरी लगाने के नाम पर पांच लाख रूपये ठगने के मामले में एक खलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वनखण्डी निवासी जसपाल सिंह बिष्ट ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 2019 मे दीपक जैन पुत्र स्व० राजेश कुमार जैन हाल निवासी-यूपी रोडवेज डिपो मुज्जफरनगर (यूपी) जो कि उसके साथी कर्मचारी के लडके के साथ देहरादून मे पढता था। दीपक जैन उत्तर प्रदेश रोडवेज मुज्जफरनगर डिपो मे कण्डेक्टर के पद कार्यरत है। उसने कहा है कि उसको पैसो कि जरूरत है उसकी जान पहचान लखनऊ मे है

उनके विभाग मे नयी भर्ती कि लिस्ट निकलने वाली है। वह उसके लडके की नौकरी लगवा दूंगा। उसको पाँच लाख रूपये देने होगें।

उसकी बातों में आकर उसने उसी समय एक चैक एक लाख अस्सी हजार रूपये का और बीस हजार रूपये नगद उसी समय दे दिये जिसके बाद चार बार में एक लाख बीस हजार रूपये गूगल पे से दीपक जैन कि माता श्रीमती मिथलेश जैन के खाते मे भेज दिया। फरवरी 2020 मे दीपक जैन ने कहा लिस्ट निकलने वाली है उसको लखनऊ जाना है कुछ नगद राशी कि चाहिये। उसने अपनी जान पहचान वालो से एक लाख अस्सी हजार रूपये लिये और दीपक जैन को दे दिये उसके बदले मे दीपक जैन ने पांच लाख रू का चैक उसको दिया कहा यदि कार्य नही हुआ तो आप पैसे वापस चैक से ले लेना। उसने करोना का हवाला देकर कहा कि कार्य मे देरी हो रही है मुझे शक होने पर चैक बैंक पर लगाया पर चैक बांउस हो गया। जिसके बाद उसको पता चला कि दीपक ने नौकरी लगाने के नाम पर उसके साथ धोखाध डी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कोरोना से डरे नहीं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

चारा घोटाला: लालू यादव को डोरंडा केस में भी मिली जमानत

पटना। लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाले से जुड़े डोरंडा ट्रेजरी मामले में जमानत मिल गई है। यह मामला डोरंडा कोषागार से १३६ करोड़ रुपये की निकासी का है। १९९० से १९९५ के बीच डोरंडा कोषागार से १३६ करोड़ रुपये की निकासी की गई थी। करीब २७ साल बाद कोर्ट ने इसी साल फरवरी में इस घोटाले पर फैसला सुनाया था, जिसमें लालू यादव को दोषी पाया गया था। इस मामले में लालू यादव को पांच साल की सजा हुई है। बता दें कि सीबीआई ने १९९६ में अलग–अलग कोषागारों से गलत ढंग से

अलग–अलग राशियों की निकासी को लेकर ५३ मुकदमे दर्ज किए थे। ये रुपयों को संदिग्ध रूप से पशुओं और उनके चारे पर खर्च होना बताया गया था। ५३ मामलों में से डोरंडा कोषागार का मामला सबसे बड़ा था। जिसमें सर्वाधिक १७० आरोपी शामिल हैं। इसमें से ५५ आरोपियों की मौत हो चुकी है। चारा घोटाले से जुड़े ४ मामलों में लालू यादव को पहले सजा मिल चुकी है। चाईबासा कोषागार से ३७।७ करोड़ के अवैध निकासी में लालू जमानत पर हैं। इसमें उन्हें ५ साल की सज़ा हुई थी। देवघर कोषागार से ७६ लाख के अवैध निकासी के घोटले के दूसरे मामले में भी वे जमानत पर हैं। इस मामले में उन्हे साढ़े ३ साल की सज़ा सुनाई गई थी। लालू यादव को ३३.१३ करोड़ के चाईबासा कोषागार से अवैध निकासी के तीसरे मामले में भी जमानत मिली थी। इस मामले में उन्हें ५ साल की सज़ा हुई थी।

एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा रोहिणी कोर्ट

नई दिल्ली । दिल्ली का रोहिणी कोर्ट एक बार फिर गोलियों के तड़तड़ाहट से गूंज उठा। शुक्रवार को कोर्ट परिसर में फायरिंग की घटना हुई। जानकारी के मुताबिक, वकील और कोर्ट की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी के बीच सुरक्षा जांच के दौरान कहासुनी हो गई, जिसके बाद वहां फायरिंग हुई। जानकारी के मुताबिक,

घटना में २ वकीलों को गोली लगी है। घायल वकीलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विवाद की वजह का अभी खुलासा नहीं हुआ। हालांकि पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है। कोर्ट परिसर में हुई फायरिंग की घटना से हर कोई हैरान है। रोहिणी कोर्ट में फायरिंग की घटना कोई नयी नहीं है। इससे पहले २६ सितंबर २०२१ को कोर्ट में शूटआउट की घटना हुई थी।

छत्तीसगढ़ में पुलिया की रेलिंग से टकराने के बाद कार में लगी आग, 5 लोग जिंदा जले

राजनंदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनादगांव जिले में शुक्रवार को एक पुलिया की रेलिंग से टकराने के बाद एक कार में आग लगने से एक व्यापारी, उसकी पत्नी और उनकी तीन बेटियों की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक दंपति और उनका परिवार जिले के खैरागढ़ कस्बे के मूल निवासी हैं। हादसे के समय वे पड़ोसी बालोद जिले

में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना ठेलकाडीह थाना क्षेत्र के सिंगारपुर गांव के पास देर रात करीब दो बजे हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा, एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार कार पुलिया की रेलिंग से टकराकर पलट गई और सड़क से फिसल गई। इसके बाद कार में आग लग गई, जिसके कारण उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुभाष कोचर, उनकी पत्नी कांति देवी और उनकी तीन बेटियों भावना, कुमारी वृद्धि और पूजा के रूप में हुई है। दंपति की तीनों बेटियों की उम्र २० से २५ वर्ष के बीच बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया और जले हुए शवों को बाहर निकाला। पुलिस इस हादसे की विस्तृत जांच कर रही है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

चारधाम यात्रा और आपदा प्रबन्धन को लेकर डीजीपी ने ली बैठक

हमारे संवाददाता

देहरादून। पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड अशोक कुमार द्वारा आज पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत एसडीआरएफ के व्यवस्थापन के सम्बन्ध में एक बैठक आयोजित की गयी।

पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारियों से एसडीआरएफ की जनशक्ति, तैनाती एवं उनके पास उपलब्ध रेस्क्यू उपकरणों की जानकारी प्राप्त कर दिशा-निर्देश दिये गये है। उन्होने कहा है कि चारधाम यात्रा रूटों पर पड़ने वाले पुलिस थानों में 4 एवं चौकियों में 2 एसडीआरएफ से प्रशिक्षण प्राप्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाए। आपदा मित्रों को राहत एवं बचाव कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही इन सभी आपदा मित्रों का जनपदवार व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए, जिसमें एसडीआरएफ के पोस्ट कमाण्डर और कम्पनी कमाण्डर भी जुड़े हों। ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में सूचना तेजी से मिले और रिस्पांस टाइम अच्छा हो।

उन्होने कहा कि मानसून से पहले आपदा की दृष्टि से महत्पवूर्ण स्थानों को चिन्हित कर एसडीआरएफ के व्यवस्थापन का प्लान तैयार कर लें। हाई एल्टीट्यूड रेस्क्यू टीम की क्षमता को बढ़ाते हुए इसमें प्रशिक्षण प्राप्त 50 कर्मियों को ट्रेकिंग के बेस प्वाइंट्स पर तैनात किया जाए। सभी कर्मी वे हो, जो 20 हजार फीट की पर्वत श्रंखला चढ़ चुके हैं। चारधाम यात्रा एवं मानसून के दृष्टिगत एसडीआरएफ द्वारा पुलिसकर्मियों को दिए जाने वाले आपदा एवं बाढ़ राहत प्रशिक्षण को माह मई, जून, जुलाई व अगस्त में संचालित न किया जाए। यह प्रशिक्षण सितम्बर माह से प्रारम्भ किये जाए। पीएसी एवं पुलिसकर्मियों की क्षमता में वृद्धि हो इसके लिए उन्हें यह प्रशिक्षण अधिक से अधिक कराया जाए।

बाढ़ राहत की प्रत्येक टीम को अत्याधुनिक बाढ़ राहत उपकरणों से लैस किया जाए। मोरी, घनसाली, गैरसैंण और चम्पावत में एसडीआरएफ की स्थायी पोस्ट खोली जाएगी। मानसून में राहत एवं बचाव कार्यों हेतु धारचूला में एसडीआरएफ की पोस्ट खोली जाएगी।

इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था वी मुरूगेशन, पुलिस महानिरीक्षक, एसडीआरएफ पुष्पक ज्योति, पुलिस उप महनिरीक्षक, एसडीआरएफ रिद्धिम अग्रवाल, सहित एसडीआरएफ के अधिकारी उपस्थित रहे।

हटाए गए स्वास्थ्य कर्मियों ने किया सचिवालय कूच

विशेष संवाददाता

देहरादून। अपनी सेवा बहाली की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों ने सरकार पर दबाव बनाने के लिए आज सचिवालय कूच किया गया।

इन कर्मचारियों का कहना है कि जब सरकार को उनकी सेवाओं की जरूरत थी तो उन्होंने कोरोना काल में अपनी जान हथेली पर रखकर सेवाएं दी लेकिन कोरोना के समाप्त होते ही उन्हें नौकरी से हटा दिया गया। उनकी मांग है कि सरकार को उनके समायोजन पर विचार करना चाहिए था क्योंकि आने वाले समय में फिर कभी भी उनकी सेवाओं की जरूरत होंगी।

उल्लेखनीय है कि 2 साल पहले कोरोना की पहली लहर के दौरान लगभग ढाई हजार कर्मचारियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपनल और पीआरडी के जरिए

❑शीघ्र समायोजन की कर रहे हैं मांग

आउट सोर्स पर नौकरी पर रखा गया था। जिन्हें कोरोना की समाप्ति के बाद 1 अप्रैल को हटा दिया गया। तभी से यह आउटसोर्स कर्मचारी अपनी सेवा बहाली की मांग को लेकर दून अस्पताल में धरने-प्रदर्शन पर बैठे हैं। अकेले दून अस्पताल में इनकी संख्या 610 के करीब है। हालांकि इन कर्मचारियों को पहले ही पता था कि उनकी यह सेवाएं अस्थाई तौर पर ली जा रही हैं और वह कभी भी समाप्त की जा सकती हैं।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इन कर्मचारियों के हटाए जाने से दून अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं, लेकिन सरकार इन्हें वापस नौकरी पर नहीं ले रही है। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों द्वारा इन कर्मचारियों को समर्थन दिया जा रहा है। पूर्व सीएम हरीश रावत का कहना है कि सरकार युवाओं को रोजगार देने की बजाय उनसे उनका रोजगार छीनने का काम कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि पहले से ही राज्य के अस्पतालों में कर्मचारियों की भारी कमी है सरकार को चाहिए कि वह इन कर्मचारियों का समायोजन करें। मुख्यमंत्री द्वारा हालांकि इनकी मांगों पर विचार करने की बात कही गई है लेकिन अभी तक समाधान नहीं होने से यह कर्मचारी परेशान हैं। उनका समायोजन किया जाएगा या नहीं यह अलग बात है लेकिन सरकार इस पर विचार जरूर कर रही है।

कांग्रेस सीएम धामी से मुकाबले को तैयार: आर्य

विशेष संवाददाता

देहरादून। उपचुनाव में कांग्रेस भाजपा और मुख्यमंत्री धामी का मुकाबला कितना कर पाती है यह बात अलग है लेकिन कांग्रेसी नेताओं का दावा यह जरूर है कि वह चंपावत सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं तथा जीत के इरादे से पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे।

नेता विपक्ष यशपाल आर्य का कहना है कि वह इस चुनाव को पूरी गंभीरता के साथ लड़ेंगे। बूथ स्तर तक कांग्रेस अपनी रणनीति के अनुसार काम करेगी। पत्रकारों द्वारा जब उनसे प्रत्याशी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हाईकमान और राज्य संगठन तथा प्रदेश अध्यक्ष के साथ विचार विमर्श के बाद जल्द ही प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस इस सीट पर दो बार चुनाव जीत चुकी है लेकिन पिछले दो चुनावों में उसे हार का सामना करना पड़ा था। 2022 के चुनाव में गहतोड़ी जिन्होंने सीएम धामी के लिए सीट छोड़ी है, कांग्रेस प्रत्याशी को 5 हजार से अधिक मतों से हराया था। अब देखना यह है कि क्या कांग्रेस फिर कर्णवाल पर ही दांव लगाती है या फिर वह नया प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारती है। ब्राह्मण बहुल इस सीट पर मुख्यमंत्री धामी को चुनौती देना कांग्रेस के लिए मुश्किल इसलिए भी होगा क्योंकि अब तक कोई भी मुख्यमंत्री उप चुनाव हारा नहीं है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।